

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Наумова Наталия Александровна  
Должность: Ректор  
Дата подписания: 11.06.2025 11:11:47  
Уникальный программный ключ:  
6b5279da4e034bff679172803da5b7b559fc69e2

МИНИСТЕРСТВО ПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное автономное образовательное учреждение высшего образования  
"Государственный университет просвещения"  
(Государственный университет просвещения)

План одобрен Ученым советом  
Государственного университета просвещения  
Протокол № 11 от 28 апреля 2025 г.

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

Ректор



Н.А. Наумова

по программе бакалавриата

38.03.01

Направление подготовки 38.03.01 Экономика  
Профиль: Финансы и кредит

Факультет: Экономический

|                                |                                          |
|--------------------------------|------------------------------------------|
| Квалификация: Бакалавр         |                                          |
| Форма обучения: Очная          |                                          |
| Срок получения образования: 4г |                                          |
| +                              | Типы задач профессиональной деятельности |
| +                              | аналитический                            |
| +                              | финансовый                               |
| +                              | расчетно-экономический                   |

Год начала подготовки (по учебному плану)  
Образовательный стандарт (ФГОС)

2025  
№ 954 от 12.08.2020

СОГЛАСОВАНО

Начальник управления организации и контроля  
качества образовательной деятельности

Декан факультета

/ М.А. Миненкова/

/ Т.Б. Фомина/

| Коды |  |  | Сроки разг. акт. |  |  | С.в. |  |  | Итого вальсеров |  |  | Тема 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|------|--|--|------------------|--|--|------|--|--|-----------------|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|------|--|--|------------------|--|--|------|--|--|-----------------|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|